भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1237

उत्तर देने की तारीख 10 दिसंबर, 2025

बुधवार, 19 अग्रहायण, 1947 (शक)

डिजिटल कौशल विकास साझेदारी

1237. श्री बी. पार्थसारधी रेड्डीः

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने नैसकॉम और तेलंगाना उच्चतर शिक्षा परिषद के बीच प्रतिवर्ष एक लाख शिक्षार्थियों के कौशल उन्नयन हेतु हुए समझौता ज्ञापन पर गौर किया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इसी प्रकार की बड़े पैमाने पर डिजिटल कौशल विकास साझेदारी को देश भर में क्रियान्वित किया जा रहा है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उभरती-प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम उपलब्ध कराने के लिए संस्थानों को क्या सहायता प्रदान की जाती है; और

(घ) प्रमाणित शिक्षार्थियों को नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए क्या तंत्र मौजूद है, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री जयन्त चौधरी)

(क) और (ख): नैसकॉम/आईटी-आईटीईएस क्षेत्र कौशल परिषद (एसएससी) नैसकॉम और तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद के बीच दिनांक 23 मई 2025 को एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य राज्य में बड़े पैमाने पर डिजिटल कौशलीकरण को सक्षम बनाने हेतु एक संयुक्त पहल के रूप में फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्लेटफॉर्म को अपनाना और लागू करना है। इस साझेदारी का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में फ्यूचर स्किल्स प्राइम (एफएसपी) प्लेटफॉर्म को अपनाने को बढ़ावा देना है, जिससे शिक्षार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन (आरपीए), बिग डेटा एनालिटिक्स (बीडीए) और अन्य डिजिटल कौशल पर पाठ्यक्रम प्रदान करके 11 उभरती प्रौद्योगिकियों में दक्षता हासिल करने में मदद मिलेगी।

समझौता ज्ञापन का उद्देश्य तेलंगाना के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों के छात्रों की डिजिटल क्षमताओं को मजबूत करना और प्रौद्योगिकी-संचालित भूमिकाओं के लिए उनकी तत्परता का समर्थन करना है।

इसके अलावा, आईटी-आईटीईएस क्षेत्र कौशल परिषद (एसएससी) के पास फ्यूचर स्किल्स प्राइम (एफएसपी) को अपनाने के लिए आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मेघालय, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल की राज्य सरकारों के प्रमुख राज्य कौशल विकास मिशनों और उच्च शिक्षा निकायों के साथ 13 सक्रिय राज्य समझौता ज्ञापन हैं।

(ग): सरकार उभरती प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए संस्थानों को व्यापक सहायता प्रदान करती है। पीएमकेवीवाई 3.0 और 4.0 के अंतर्गत, एआई, रोबोटिक्स और अन्य उद्योग 4.0 प्रौद्योगिकियों में विशेष अल्पकालिक और उन्नत मॉड्यूल शुरू किए गए हैं, जिनका उद्देश्य उद्योग की मांग को पूरा करना, डिजिटल परिवर्तन को गति देना और उद्योग 4.0 तथा ग्रीन ट्रांजिशन के लिए कार्यबल तैयार करना है।

सीटीएस के अंतर्गत, आईटीआई और राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) के माध्यम से 31 नए युग के पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण दिया जाता है- जिनमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता, औद्योगिक रोबोटिक्स और जलवायु-अनुकूल प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

इसी प्रकार, राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) ने राष्ट्रीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता कार्यक्रम (एनपीएआई) कौशल विकास ढांचा तैयार किया है, जो एआई, डेटा विज्ञान और उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास के लिए राष्ट्रीय रोडमैप, संरचना और दिशानिर्देशों की रूपरेखा तैयार करता है तथा मानकीकृत, उद्योग-संरेखित पाठ्यक्रम और पाठ्यचर्या विकसित करने के लिए आधारभूत दस्तावेज के रूप में कार्य करता है।

डीजीटी ने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत कौशल विकास पहलों के लिए आईबीएम इंडिया, माइक्रोसॉफ्ट, सिस्को, एबोड इंडिया, अमेज़न वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस), फ्यूचर राइट स्किल्स नेटवर्क (एफआरएसएन), एडुनेट फाउंडेशन, ऑटो डेस्क आदि संस्थाओं के साथ सहयोग किया है। ये साझेदारियाँ आधुनिक प्रौद्योगिकियों में तकनीकी और व्यावसायिक कौशल प्रशिक्षण के प्रावधान को सुगम बनाती हैं।

एमएसडीई ने स्कूली छात्रों और शिक्षकों के बीच आधारभूत एआई जागरूकता का निर्माण करने के लिए एसओएआर (एआई तत्परता के लिए कौशलीकरण) भी शुरू किया है, जिससे भौगोलिक क्षेत्रों में एआई शिक्षा तक समान पहुंच सुनिश्चित हो सके।

सक्रिय उद्योग और वैश्विक डोमेन भागीदारी के साथ गठित क्षेत्र कौशल परिषद (एसएससी) पाठ्यक्रम का सह-विकास और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित करते हैं। अग्रणी उद्योग साझेदार पाठ्यक्रम सहायता प्रदान करते हैं और एआई, रोबोटिक्स और जलवायु तकनीक में शिक्षुता/इंटर्नशिप सहायता प्रदान करते हैं।

(घ): एफएसपी की पेशकशों में व्यक्तिगत/हाइब्रिड/ऑनलाइन डेमो सत्र, उद्योग-आधारित सत्र, हैकथॉन, अनुभवात्मक शिक्षा आदि शामिल हैं। एफएसपी प्लेटफॉर्म पर सभी प्रमाणित शिक्षार्थी स्वचालित रूप से एसएससी नैसकॉम टैलेंट कनेक्ट पोर्टल पर सक्षम हो जाते हैं, जहां उद्योग से जॉब के अवसर भेजे जाते हैं, जैसा कि समय-समय पर उनके द्वारा उपलब्ध कराया जाता है।

इसके अलावा, पीएमकेवीवाई के तहत, सभी उम्मीदवारों, प्रशिक्षण प्रदाताओं और नियोजन परिणामों को स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) के माध्यम से डिजिटल रूप से ट्रैक किया जाता है। निरंतर डेटा विश्लेषण, आवधिक तृतीय-पक्ष मूल्यांकन और नियोक्ता प्रतिक्रिया उद्योग के साथ मज़बूत तालमेल और नियोजनीयता सुनिश्चित करते हैं। क्षेत्र कौशल परिषद और उद्योग भागीदार शिक्षुता और इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करते हैं, जबकि उद्योग-मान्यता प्राप्त योग्यताएँ यह सुनिश्चित करती हैं कि प्रमाणित शिक्षार्थियों को उभरते प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में संबंधित जॉब रोल्स के लिए रूपरेखा बनाई जाए।

*****